**असामान्य मनोविज्ञान का अनुप्रयोग)**

**परिचय:**
**असामान्य मनोविज्ञान (Abnormal Psychology)** मनोविज्ञान की वह शाखा है, जो असामान्य व्यवहार, मानसिक विकारों (mental disorders) और मानसिक असंतुलन का अध्ययन करती है। इसका मुख्य उद्देश्य इन मानसिक समस्याओं की पहचान (diagnosis), कारणों का विश्लेषण (analysis), और उपचार (treatment) करना होता है।

असामान्य मनोविज्ञान के अध्ययन और सिद्धांतों का प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है ताकि मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके।

**असामान्य मनोविज्ञान के प्रमुख अनुप्रयोग:**

1. **मानसिक रोगों की पहचान (Diagnosis of Mental Disorders):**
	* असामान्य मनोविज्ञान विभिन्न मानसिक विकारों जैसे डिप्रेशन, एंग्जायटी, सिज़ोफ्रेनिया, OCD, आदि की पहचान करने में सहायता करता है।
	* इसके लिए DSM-5 या ICD जैसी मैनुअल्स का उपयोग किया जाता है।
2. **उपचार एवं परामर्श (Treatment and Counseling):**
	* इस क्षेत्र के विशेषज्ञ (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, काउंसलर) मनोचिकित्सा (Psychotherapy), व्यवहार चिकित्सा (Behavior Therapy), CBT, आदि विधियों का उपयोग करके रोगियों का उपचार करते हैं।
3. **मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों में:**
	* अस्पताल, पुनर्वास केंद्र, मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में इसका प्रयोग मरीजों की देखभाल और पुनर्वास में होता है।
4. **शैक्षिक संस्थानों में:**
	* छात्रों में बढ़ते तनाव, अवसाद, आत्मग्लानि, आत्महत्या की प्रवृत्ति आदि की पहचान और नियंत्रण के लिए स्कूल-कॉलेजों में काउंसलिंग की जाती है।
5. **न्यायिक व्यवस्था (Forensic Settings):**
	* असामान्य मनोविज्ञान का उपयोग आपराधिक मामलों में यह समझने के लिए किया जाता है कि अपराधी की मानसिक स्थिति कैसी थी।
	* यह मानसिक अस्वस्थ अपराधियों के लिए न्यायिक निर्णय में सहायता करता है।
6. **सामाजिक पुनर्वास (Social Rehabilitation):**
	* मानसिक रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को समाज में पुनः समायोजित करने में यह सहायक होता है।
7. **कर्मचारी सहायता कार्यक्रम (Employee Assistance Programs):**
	* कॉर्पोरेट जगत में तनाव, बर्नआउट, चिंता आदि की समस्याओं से निपटने के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता दी जाती है।
8. **अनुसंधान (Research):**
	* मानसिक विकारों के कारण, लक्षण, उपचार और उनकी रोकथाम के लिए अनुसंधान कार्य किए जाते हैं, जिससे नए उपचार विकसित किए जा सकें।

**निष्कर्ष:**

असामान्य मनोविज्ञान का उद्देश्य केवल मानसिक बीमारियों को समझना ही नहीं, बल्कि उन्हें समाज में स्वीकार्यता दिलाना, समय रहते उनकी पहचान करना और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराना है। यह मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने में अत्यंत उपयोगी और आवश्यक क्षेत्र है।